दिनांक 12 नवम्बर, 2017 को झारखण्ड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय के भवन के शिलान्यास के अवसर पर माननीया राज्यपाल जी का अभिभाषण

आज का दिन हम सभी के लिए अत्यन्त सुखद है। इसका कारण खूँटी जैसे पिछड़े क्षेत्र में झारखण्ड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय की स्थापना की दिशा में पहल होना है। धरती आबा बिरसा मुण्डा के पैतृक जिला में झारखण्ड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय के भवन की आधारशिला रखना संभवतः शिक्षा के प्रचार–प्रसार को तेज गति प्रदान करेगा। विकास की गति में कहीं–न–कहीं, पीछे रह जाने वाला यह क्षेत्र ज्ञान आधारित केन्द्र बनेगा, ऐसी आशा है।

हमारे झारखण्ड राज्य के युवाओं एवं किशोरों में सैन्य एवं पुलिस सेवा में जाने हेतु बहुत उत्साह व्याप्त है। वे इस सेवा में जाने हेतु अथक मेहनत करते हैं, लेकिन बेहतर मार्गदर्शन के अभाव में सफलता प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं। ऐसे में झारखण्ड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय हमारे युवाओं का बेहतर मार्गदर्शन देने का कार्य करेगा।

झारखण्ड राज्य के लिए सम्मान का विषय है कि ऐसे विशिष्ट विश्वविद्यालय की स्थापना यहाँ की गई है। देश का यह तीसरा राज्य है, जहाँ रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय आरंभ किया गया है। इसकी स्थापना से समाज में शान्ति और समरसता को और बेहतर बनाये रखने हेतु लोगों में जागरूकता फैलेगी। साथ ही यहाँ पढ़ने वाले विद्यार्थी सेना, पुलिस तथा निजी सुरक्षा संगठनों में योगदान दे सकेंगे। उनकी सफलता से राज्य के अन्य युवा भी प्रेरित होंगे और कामयाबी अर्जित करेंगे। आज आतंकवादी घटनाओं सहित समाज में उग्रवाद, आर्थिक एवं साइबर अपराध जैसी घटनायें घटित हो रही है, ऐसे में यहाँ के विद्यार्थियों को जानकारी एवं प्रशिक्षण सुलभ कराना अत्यन्त प्रशंसनीय है। इससे हमारे युवा–वर्ग आत्मनिर्भर तो बनेंगे ही, साथ ही सामाजिक बुराइयों का अन्त करने में अपना योगदान देकर राष्ट्रहित में व्यापक कार्य करेंगे।

किसी भी विश्वविद्यालय का गठन करना ही मात्र मकसद नहीं है। विश्वविद्यालय में बेहतर माहौल हो, सभी प्रकार के आधारभूत संरचनायें उपलब्ध हो। विश्वविद्यालय का अपना भवन हो, जहाँ नियमित रूप से पढ़ाई एवं इससे जुड़े अन्य गतिविधियाँ संचालित हो। अच्छे **Library** हो, **Laboratory** हो। कहने का अभिप्राय ज्ञान का वातावरण हर हाल में उपलब्ध हो। इसके लिए झारखण्ड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय के भवन का निर्माण आवश्यक था। मुझे उम्मीद है कि खूँटी में इस विश्वविद्यालय की स्थापना से यहाँ के युवाओं की मेधा को सही दिशा मिलेगा। शैक्षणिक गतिविधियों के आयोजन से क्षेत्र के लोगों में शिक्षा के प्रति और जागरूकता उत्पन्न होंगे। वे पढ़ने तथा पढ़ाने हेतु पूर्णतः सक्रिय रहेंगे।

झारखण्ड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय सुरक्षा बलों की संपूर्ण कार्यशैली में **Excellence** लाने हेतु तकनीकी ज्ञान और प्रबंधन की जानकारी देने के साथ–साथ पूरे देश में शान्ति–व्यवस्था को

और सुदृढ़ करने का संवाहक बनेगा, ऐसी अपेक्षा है। यहाँ सुरक्षा से जुड़े विषयों में शोध एवं अनुसंधान व्यापक पैमाने पर हो। **Cyber** अपराध को रोकने के लिए हमारे युवा सदैव प्रयत्नशील रहें, इसे एक चुनौती के रूप में लें। इस दिशा में उन्हें आगे आना हागा क्योंकि हमारे सामाज में आज **Cyber** अपराध की घटनायें काफी घटित हो रही है। इस पर नियंत्रण हेतु यह संस्थान अपनी सार्थक भूमिका अदा करें।

एक बार पुनः मैं इस अवसर पर सभी को शुभकामनायें देती हूँ और आशा करती हूँ कि शीघ्र ही आधारभूत संरचनाओं से युक्त इसका अपना भवन निर्मित हो जायेगा।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!